तारिख अहकाम
की तारीख

FORM No.III
फर्द अहकाम
(नियम 26)

अज अदालत .... मुकाम ....

.... मांगीलाल .... बनाम रामचन्द्र ....

करम मुकदमा .... नं. 148/18 .... सन् ....

तारिख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारिख अहकाम जो इस हुक्म की तारीख में जारी हुए
	उपस्थित नहीं आने से इनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। पत्रावली अब एकतरफा बहस में दिनांक 1/7/19 को पेश हो।	
1/7/19	पत्रावली आज पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित। प्रार्थी अधिवक्ता ने बताया कि राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 188 के तहत प्रार्थी के पक्ष मे विरुद्ध अप्रार्थी को ~~स्थाई~~ स्थायी निषेधाज्ञा से दावा संख्या 41/2017 के निर्णय से पाबंद किया जा चुका है अतः अब वह यह प्रार्थना पत्र बाबत् राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 212 के जरिए Note press खारिज करवाना चाहता है। हमने पत्रावली का अध्ययन किया। विद्वान अधिवक्ता के तर्कों पर मनन किया इस पत्रावली से संबंधित संक्षिप्त तथ्य निम्न है प्रार्थी द्वारा इस न्यायालय में प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 (2) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 212 एवं रिसिवरी बाबत् पेश किया। उक्त प्रार्थना पत्र	

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Scanned by CamScanner

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	मूल दावा मोतीलाल बनाम रामचन्द मुकदमा नंबर 41/2017 के साथ पेश किया गया। उक्त दावा माननीय न्यायालय द्वारा निर्णय दिनांक 23/1/2019 को स्वीकार किया और प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया गया है कि वादी की खातेदारी आराजी मौजा ग्राम पारसोली पटवार हलका पारसोली तह- बेगूं की जमाबंदी संवत 2072 के खाता खतौनी संख्या 287 मे अंकित आराजियात 1706/23, 1707/757, 1708/758, 1709/786, 1710/787 कुल किता- 05 कुल रकबा 0.38 हैक्टेयर कृषि भूमि मे किसी प्रकार से हस्तक्षेप न तो स्वयं करे न ही अन्य किसी से करावे। हमने सम्पूर्ण पत्रावली का अध्ययन व दस्तावेजो का अवलोकन करने पर मूल दावा 41/2017 को स्वीकार किए जाने से अब प्रार्थना पत्र 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 का अब कोई औचित्य नहीं है ~~अत:~~ क्योंकि अप्रार्थी को जरिए स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जा चुका है अत: प्रार्थी का प्रार्थना पत्र जरिए Note press खारिज किया जाता है पत्रावली फैसल शुमार होकर नंबर से कम हो [signature] 1/7/19	

Scanned by CamScanner